# लेग क्रिकेट का इतिहास

लेग क्रिकेट कोई नया खेल नहीं हैं | यह एक प्राचीन खेल है | हम महाभारत काल से लेग क्रिकेट खेलते आ रहे हैं | ब्रज मंडल की यात्रा के दोरान हमें कुछ ब्रजवासियों ने बताया की भगवन कृष्णा कालिया वध के समय यमुना पर लेग क्रिकेट की तरह का ही एक खेल खेल रहे थे और उनकी लात से लगकर ही गेंद यमुना नदी में चली गई थी. लेकिन इस बात के कोई सटीक प्रमाण उपलब्ध नहीं है| लेकिन यह बात जरूर सही है की हम सब अपने जीवन में कभी ना कभी लेग क्रिकेट जरूर खेले है. चाहे वो स्कूल या कोलेज में हो या अपने गली या महोल्ले में.

वर्ष २०११ से पहले लेग क्रिकेट को मात्र एक मनोरंजक खेल के रूप में टाइम पास के लिए खेला जाता था | वैसे तो हम २००५ से लेग क्रिकेट पर कार्य कर रहे हे लेकिन इस खेल की विधिवत शुरआत २७ अक्टूबर २०११ से हुई | लेग क्रिकेट के अलग अलग स्वरूप को जानने के लिए मैं भारत के अलग अलग राज्यों में घुमा | अपनी इस यात्रा के दौरान मैंने पाया के लेग क्रिकेट खेलने के लिए लोग अलग अलग गेंद जैसे फुटबॉल , वॉलीबॉल, टेनिस बॉल या कागज़ से बनी बॉल इत्यादि का प्रयोग करते है | लेकिन सब के खेल के नियम अलग अलग थे | २०११ में हमने दिल्ली के अवंतिका रोहिणी शेत्र में अलग अलग प्रकार के गेंदों के साथ इस खेल का अभ्यास आरम्भ किया | इस अध्यन के बाद बर्ष २०११ में हमने लेग क्रिकेट खेल की पहली नियमावली/नियम पुस्तिका अर्ताथ रूल बुक तैयार की

वर्ष २०१२ में अपनी एक यात्रा के दौरान में कर्नाटक के बंगलोर में श्री एस. नागराज जी से मिला, उनसे मिलकर मुझे पता चला की वो यहाँ बंगलोर में पिछले कुछ वर्षो से लेग क्रिकेट के मैच करवा रहे हे लेकिन उनके नियमो और हमारे द्वारा बनाये गए नियमो के कुछ अंतर था | श्री नागराज जी एक शारीरिक शिक्षा अध्यापक थे और उन्होंने कर्नाटक राज्य लेग क्रिकेट संघ का निर्माण भी कर रखा था उसी के अंतर्गत उन्होंने एक दो मैच भी करवाए थे | लेकिन वो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नहीं पहुच पाए क्योकि उनको नियमो में सर्वभोमिकता नहीं थी | मैंने उनके साथ अपनी लेग क्रिकेट नियम पुस्तिका पर चर्चा की और उन्हें दिल्ली में आयोजित होने वाली पहली राष्ट्रीय लेग क्रिकेट प्रतियोगिता में आमंत्रित किया. ये प्रतियोगिता जुलाई २०१२ में दिल्ली के बवाना क्षेत्र के श्री राजीव गाँधी स्टेडियम में आयोजित की गई. इस प्रतियोगिता का सुभारम्भ सथानीय विधायक और इंटरनेशनल लेग क्रिकेट कौंसिल एवं लेग क्रिकेट महासंघ के अध्यक्ष श्री सुरेंदर कुमार जी और पदमश्री महाबली सतपाल जी ने किया विशेष अतिथि के रूप में श्री एस नागराज जी, देवेंदर सैनी जी, और लाक्स्मन दतीर जी उपस्तिथ थे. इस प्रतियोगिता का आयोजन लेग क्रिक्केट संघ दिल्ली और इंटरनेशनल लेग क्रिकेट काउंसिल एवं लेग क्रिकेट महासंघ, भारत के साझा पर्यास से किया गया | इस प्रतियोगिता में सबसे महत्वपूर्ण बात ये थी की इस प्रतियोगिता में भारत के अलग अलग राज्यों से लड़के और लडकियों की कुल २४ टीमो ने भाग लिया जो अपने आप में एक नया कीर्तिमान था | हमारी दूसरी लेग

क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन अक्टूबर २०१२ में महाराष्ट्र के कल्याण में किया गया | ये आयोजन लेग क्रिकेट संघ महारष्ट्र और लेग क्रिकेट महासंघ के साझा प्रयाश से किया इस मुकाबले में भी कई राज्यों ने भाग लिया. हमारा अगला मुकाबला दिसंबर २०१२ में बंगलोरे में होना था लेकिन श्री नागराज जी के एक्सीडेंट के कारण हमें उसे सथागित करना पड़ा | फरवरी वर्ष २०१३ में एक बार फिर दिल्ली, मई २०१३ में अम्बाला, दिसम्बर, २०१३ में रांची, जनवरी २०१४ में दिल्ली, जून २०१४ में हरियाणा के सोनीपत में और जनवरी २०१५ के पहले सप्ताह में तमिलनाडु के इरोड जिले में अलग अलग आयु वर्गों की लेग क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया || इस दौरान हमने वर्ष २०१३ में नेपाल की राजधानी काठमांडू में पहले इंडो-नेपाल टी -१० लेग क्रिकेट मुकाबले और भूटान के फुन्स्लिंग शहर में पहले इंडो-भूटान टी-१० मुकाबलों में भाग लिया. वर्ष २०१४ एक बार फिर से में नेपाल की राजधानी काठमांडू में दुसरे इंडो-नेपाल टी -१० लेग क्रिकेट मुकाबले और भूटान के फुन्स्लिंग शहर में दुसरे इंडो-भूटान टी-१० मुकाबलों में भाग लिया. इन मुकाबला का आयोजन इंटरनेशनल लेग क्रिकेट काउंसिल भूटान लेग क्रिकेट एसोसिएशन और नेपाल लेग क्रिकेट एसोसिएशन ने करवाया था | आज वर्ष २०१५ तक लेग क्रिकेट खेल भारत के २२ राज्यों सहित ८ अंतर्राष्ट्रीय देशो में खेला जाता है | और इस का श्रेया हमारे मेहनती राज्य सचिवो , अधिकारियो, खिलाड़ियो, कोचों और लेग क्रिकेट परिवार के सभी सदस्यों को जाता है| इनकी मेहनत और लगन के कारण हमें स्कूल स्पोर्ट्स एंड कल्चरल एक्टिविटीज फेडरेशन और रूरल ओलिंपिक फेडरेशन ने भी लेग क्रिकेट खेल को मान्यता पर्दान की है |. हम इन सभी के साथ के लिए इनको हार्दिक धन्यवाद देते है.

**जोगेन्द्र प्रसाद वर्मा**

सचिव, लेग क्रिकेट महासंघ, भारत एवं
इंटरनेशनल लेग क्रिकेट काउंसिल

# ***नियम पुस्तिका***

## विषय सामग्री


1. क्रीडा स्थल एवं खेल सामग्री एवं उपकरण
2. टीम और खिलाडी
3. श्रेणीया और मैच के प्रकार
4. खेल
5. रन system
6. टाइम आउट .
7. खिलाडी बदलना
8. अतिरिक्त रन और मुख्य गलतिया और उनका दंड
9. आउट
10. खेल के आधारभूत
11. खिलाड़ियो द्वारा दुर्व्यवहार
12. अधिकारी गण
13. अधिकारिय के कार्य.
14 टाई या सामान स्कोर
15 . नो बॉल या वाईड बॉल.
16. स्कोर शीट और खिलाड़ियो का लेखा-जोखा .



**जोगेन्द्र प्रसाद वर्मा**

सचिव, लेग क्रिकेट महासंघ, भारत एवं

# नियम पुस्तिका

## १. क्रीड़ास्थल एवं खेल के उपकरण

### १.१ पिच

| श्रेणी | बालक वर्ग | बालक वर्ग | मिश्रित वर्ग |
|---|---|---|---|
| १४ वर्ष से कम या मिनी | ४४ फीट | ४४ फीट | ४४ फीट |
| १७. वर्ष से कम या सब जूनियर | ४६ फीट | ४६ फीट | ४६ फीट |
| १९ वर्ष से कम या जूनियर | ४८ फीट | ४८ फीट | ४८ फीट |
| २१ वर्ष से कम या सीनियर | ४८ फीट | ४८ फीट | ४८ फीट |
| पुरुष अवं महिला | ४८ फीट | ४८ फीट | ४८ फीट |

### १.२ स्टंप या किल्ली

| | |
|---|---|
| स्टंप की चौड़ाई | १ फीट/ १२ इंच |
| स्टंप की ऊंचाई | २४ से ३० |

### १.३ बाउंड्री या सीमा रेखा

| श्रेणी | बालक वर्ग | बालिका वर्ग | मिश्रित वर्ग |
|---|---|---|---|
| १४ वर्ष से कम या मिनी | ८० फीट | ८० फीट | ८० फीट |
| १७. वर्ष से कम या सब जूनियर | १०० फीट | १०० फीट | १०० फीट |
| १९ वर्ष से कम या जूनियर | १२० फीट | १२० फीट | १२० फीट |
| २१ वर्ष से कम या सीनियर | १२० फीट | १२० फीट | १२० फीट |

| | | | |
|---|---|---|---|
| पुरुष अवं महिला | १२० फीट | १२० फीट | १२० फीट |

### १.४ गेंद

| आयु वर्ग | गेंद का साइज़ | गेंद का वजन |
|---|---|---|
| १४ वर्ष से कम या अंडर १४ | ० या १ नंबर | २२५ ग्राम |
| १४ वर्ष से ज्यादा | २ नंबर | २५० ग्राम |

## २. टीम और खिलाडी

२.१ खेल २ टीमो के बीच खेला जाता है और पर्त्येक टीम में कप्तान और उप-कप्तान के साथ ११ मुख्य और ४ अतिरिक्त खिलाडी होते है | कुल मिलकर १५ खिलाडी एक टीम में होते है |

२.२. टॉस होने से पहले सभी खिलाड़िय के नाम घोषित करना जरुरी है. टॉस होने के बाद अंपायर और विरोधी टीम के कप्तान की अनुमति के बिना खिलाडी बदलने की अनुमति नहीं है.

२.३. टॉस जितने वाली टीम का कप्तान लेग्गिंग या फील्डिंग में से एक चुनता है |

२.४. कप्तान की अनुपस्तिथि में टीम को निर्देश देने का कार्य उप-कप्तान करेगा |

२.५. यदि किस टीम मे कुल खिलाड़ियो की संख्या ११ से कम हे तो उसे मैच खेलने की अनुमति नहीं दी जाएगी |. ऐसे अवस्था में दूसरी टीम को वाक ओवर दिया जायेगा |

२.६ मिश्रित वर्ग में खलेने वाले मुख्य खिलाड़ियो में कम से कम ५ बालक और ५ बालिका होना जरूरी है | ११वा खिलाडी बालक या बालिका कोई भी हो सकता है. |

## ३. श्रेणी और मेचो के प्रकार

**३.१ स्कूल गेम्स फेडरेशन के अनुसार**

**क. सब जूनियर:** १४ वर्ष से कम और कक्षा ८ तक |

**ख. जूनियर :** १७ वर्ष से कम और कक्षा १० तक |

**ग. सिनियर:** १९ वर्ष से कम और कक्षा १२ तक के छात्र और छात्राए |

**३.२ स्कूल स्पोर्ट्स और कल्चरल एक्टिविटीज फेडरेशन और इंटरनेशनल लेग क्रिकेट काउंसिल के अनुसार**

**क. सब जूनियर:** १७ वर्ष तक और कक्षा ८ तक के छात्र और छात्राए |

**ख. जूनियर:** १९ वर्ष तक और कक्षा १० तक के छात्र और छात्राए |

ग. **सिनियर:** २१ वर्ष तक और कक्षा १२ तक के छात्र और छात्राए |

**घ. महिला एवं पुरुष वर्ग:** २१ वर्ष से जयादा (मात्र ओपन लेग क्रिकेट मुकाबलों के लिए) |

**३.३ श्रेणीया:**

क. बालक/पुरुष ख. बालिका/महिला ग. मिश्रित

**३.४. गेंदबाजी :** केवल अंडर आर्म बोलिंग

**३.५. मैच के प्रकार**

१. ५ ओवर मैच ख. टी-१० मैच ग. १५ ओवर मैच घ. टी-२० मैच

**ध्यान दे**: एक खिलाडी कुल ओवर का १/५ से ज्यादा ओवर नहीं डालेगा | अर्ताथ ५ ओवर वाले मैच में एक खिलाडी अधिक से अधिक १, १० ओवर वाले मैच में अधिक से अधिक २ ओवर, १५ ओवर वाले मैच में अधिक से अधिक ३ और २० ओवर वाले मैच में अधिक से अधिक ४ ओवर एक डाल सकता है.

## ४. खेल सामग्री एवं उपकरण

**४.१. गेंद**

इंटरनेशनल लेग क्रिकेट फेडरेशन और लेग क्रिकेट फेडरेशन द्वारा निर्धारित बॉल या १ या २ नंबर फुटबॉल को उपयोग में लाया जा सकता है |

**४.२ विकेट/स्टंप/किल्ली**

विकेट/स्टंप या किल्ली की जमीं से उचाई २४-३० इंच तक होनी चाहिये | खिलाडी सुविधा के लिए क्रिकेट में प्रयोग होने वाली विकेट का प्रयोग कर सकते है |

**४.३. वेशभूषा**

क. गर्मी के मोसम में: टी-शर्ट एवं निक्कर या ट्रैक पेंट
ख. सर्दी के मोसम में: ट्रैक-सूट और टी-शर्ट

**४.५ जूते**

लेग क्रिकेट खेलने वाले खिलाडियों के लिए फुटबॉल के जूते (स्टड्स) और एथलेटिक्स में प्रयोग होने वाले कीलदार जुते प्रतिबंधित है | इनके आलावा खिलाडी किस भी प्रकार के खेल के जुते पहन सकता है.

## ५, रन या दौड़

५.१ रनिंग बिटवीन विकेट/ दौड़कर रन लेना: क्रिकेट की भाति लेग्स्मेंन गेंद को खेलकर दोनों विकेट के मध्य दौड़ कर १,२,३ या अधिक रन ले सकता है |

५.२ चौका: खिलाडी द्वारा खेली गई वो सारी गेंद जो सीमा रेखा को छूती हे या उसे पर करती है| चौका कहलाएगी और इसके लिए खिलाडी और उसकी टीम के खाते में चार रन/अंक जोड़े जायेगे |

५.३ छक्का: खिलाडी द्वारा खेली गई वो सारी गेंद जो सीमा रेखा को हवा में बिना मैदान को छुए पार करती है छक्का कहलाएगी और इसके लिए खिलाडी और उसकी टीम के खाते में छ: रन/अंक जोड़े जायेगे |

५.४ ओवर थ्रो एवं बाई के लिए रन: लेग्स्मन विरोधी टीम द्वारा गलत फेंकी गई बॉल पर दौड़कर १,२,३ या इससे ज्यादा रन अर्जित कर सकता है|

## ६. अधिकारिक टाइम आउट

लेग क्रिकेट खेल के दौरान किसी भी प्रकार के टाइम आउट की अनुमति नहीं दी जाती. केवल खिलाडी को चोट लगने की अवस्था में कप्तान के अनुरोध पर अंपायर कुछ समय के लिए खिलाडी बदलने के लिए मैच को कुछ समय के लिए रोक सकते है |

## ७. मैच के दौरान खिलाडी को बदलना

**७.१ केवल चोट लगने या तबियत ख़राब होने की अवस्था में ही किसी खिलाडी को बदला जा सकता है | पर ध्यान रहे बदला गया खिलाडी ना तो गेंदबाजी कर सकता है और ना ही लेगिंग | साथ ही कप्तान को इस नए खिलाडी की सुचना दोनों अंपायर को देनी पड़ेगी | अगर किस टीम में बदलने के लिए अतिरिक्त खिलाडी नहीं है तो बाकि बचे १० खिलाडी ही खेल को आगे बढ़ाएंगे.**

**७.२ अगर कोई लेग्स्मेंन बीमार या चौटिल हो जाता है तो उसे एक अतिरिक्त धावक दिया जायेगा | ये धावक केवल रन लेने के लिए दौड़ेगा लेकिन खेलना मुख्य खिलाडी को ही पड़ेगा | साथ ही इस बदले गए खिलाडी को टीम की वेशभूषा पहनी पड़ेगी |**

**७.३ जब कोई फील्डिंग करने वाला खिलाडी चौटिल हो जाता है तो उसके स्थान पर आने वाला खिलाडी केवल फील्डिंग और लेग्गिंग करेगा | वो बोलिंग नहीं कर सकता |**

**७.४ चोटिल होने और ना होने पर भी कोई खिलाडी बिना अंपायर की अनुमति के क्रीड़ास्थल से बहार नहीं जा सकता | अगर कोई खिलाडी ऐसा करता है तो अंपायर उसे मैच से बहार कर सकता है और ऐसी अवस्था में किस अतिरिक्त खिलाडी को अन्दर आने के अनुमति नहीं होगी. उस टीम को केवल १० खिलाड़ियो के साथ मैच को आगे बढ़ाना पड़ेगा |**

## ८ . अतिरिक्त रन और मुख्य गलतिया और उनका दंड

फील्डिंग करने वाली टीम द्वारा की गई निम्मलिखित गलतिया विरोधी टीम के खाते में एक अतिरिक्त रन जोडती है |

८.१ नो बॉल : जब खिलाडी बोलिंग करते समय बोलिंग लाइन को पर करता हे या बॉल मध्य रेखा के बाद उछलती है.

८.२ वाईड बॉल: जब फैंकी गई बॉल साइड लाइन के पर निकल जाती है|

८.३ लेग्स्मेंन को बाधा पहुचना |

८.४ डेड बॉल: लेग क्रिकेट में कोई डेड बॉल नहीं होती | सभी प्रकार की डेड बॉल को नो बॉल मन जायेगा |

## ९. खिलाडी का आउट होना

एक खिलाडी निम्नलिखित तरीको से आउट दिया जाता है|

९.१ रन आउट ९.२ हिट विकेट

९.३ केच आउट ९.४ बोल्ड

९.५ बॉडी टच: गेंद को पैर के आलावा शरीर के किसी भी अंग से छूना.

९.६ लेट एंट्री यदि विकेट गिरने के बाद नया खिलाडी मैदान में आने के लिए २ मिनट से ज्यादा समय लेता है

९.७ अगर कोई लेग्स्मन गेंद को हाथ से छूता है. |

९.८ डबल टच: बॉल को पैर से दो बार छूना |

९.९ बॉल को गलत पैर से खेलना |

## १०. आधारभूत कौशल

**१०.१ गेंद फैंकना**

क. बॉल घुमाना ख. बॉल को मोड़ना ग. तेज गेंदबाजी घ. धीमी गति की गेंदबाज़ी

**१०.२. लेगिंग या बॉल को मारना**

क. सामने से मारना ख. साइड/बाजु से मारना ग. एड़ी से मारना पीछे की

घ. बॉल को पुश करना ड. बॉल को रोकना

**१०.३ फील्डिंग या क्षेत्र रक्षण**

क. बॉल को रोकना ख. बॉल को पकड़ना ग. बॉल को लपकना घ. बॉल को फेंकना

## ११. दुर्व्यवहार

**११.१ खिलाडी द्वारा दुर्व्यवहार :** यदि कोई खिलाडी विरोधी टीम या किस अधिकारी के साथ कोई बदतमीजी करता है या गलत शब्दों का प्रयोग करता हे तो पहली बार अंपायर उन्हें चेतावनी देंगा और यदि वही खिलाडी दुबारा कोई गलत हरकत करता है तो अंपायर उसे उस मैच के लिए बाहर निकाल सकता है | लेकिन इस खिलाडी की जन्गाह कोई दूसरा खिलाडी टीम में भाग नहीं लेगा और उस टीम बाकि बचे १० खिलाडियों के साथ ही खेलना पड़ेगा | लेकिन अगर अंपायर किस खिलाडी को पूरी सीरीज या टूर्नामेंट के लिए बाहर निकालता है तो अगले मैच में कप्तान अतिरिक्त खिलाडी को टीम में शामिल कर सकता है |

**११.२ टीम कोच/मेनेजर द्वारा दुर्ब्यव्हार:** अगर कोई कोच या टीम मेनेजर बाहर से अपनी खेल रही टीम को निर्देश देता है और अंपायर के मन करने के बाद भी नहीं मानता तो अंपायर विरोधी टीम को सीधे ६ रन का

लाभ दे सकता है | लेकिन ऐसा करने से पहले उसे कोच या मेनेजर को कम से कम ३ बार चेतावनी देना जरुरी है | और अगर कोच या मेनेजर फिर भी मानता तो उस टीम तो सीरीज से बाहर किया जा सकता है.

## १२. अधिकारी

क. दौ अंपायर ख. २ स्कोरर ग. एक रिकॉर्ड कीपर

## १३. अधिकारियो के कर्तव्य

### १३.१ अंपायर के कर्तव्य

**क. नियुक्ति**: टॉस होने से पहले दो अंपायरो की नियुक्ति की जाती है | ये अंपायर नियमो के अनुसार मैच का सञ्चालन करते है और नियमो और अपने विवेक के आधार पर सही निर्णय देते है.

**ख. अंपायर बदलना**: मैच के दौरान किसी भी अंपायर को नहीं बदला जायेगा | लेकिन अगर अंपायर की तबियत ख़राब हो जाती है या वो चोटिल हो जाता है तो ऐसी अवस्था में अंपायर बदला जा शकता है और इसका निर्णय टेक्निकल पैनल करेगा |

ग. टॉस करने से पहले अंपायर को दोनों टीम के खिलाडियों को नियम की जानकारी देना जरुरी है |

घ. मैच आरम्भ होने से पहले अंपायर को चाहिए की वो सुनिश्चित करे की विकेट सही तरीके से लगी है |

ड. अंपायर को मैच शुरू होने के समय की जानकारी दोनों कप्तानो को देनी जरुरी है |

च. अंपायर मैच आरम्भ होने से पहले सभी उपकरणों की जाँच करेगा और सुनिश्चित करेगा की वो सही अवस्था में है |

छ. अंपायर पिच और मैदान की जाँच करेंगा और मौसम का ध्यान रखेंगा |

ज. मैच आरम्भ के समय अंपायर अपने निश्चित स्थान पर खड़ा होगा और सही निर्णय देने के लिए मैच को सही तरह से और ध्यान से देखेंगे |

झ. दुविधा या शंका की स्थिति में दोने अंपायर विचार विमर्श करके की अंतिम निर्णय लेंगे |

ण. थर्ड अंपायर केवल तभी होगा जब मैच में कैमेरो का प्रयोग हुआ हो या अलग से ऊंचाई या मंच पर थर्ड अंपायर की नियुक्ति की गई हो |

### १३.२ स्कोरर के कर्त्तव्य

क. स्कोरर मैच आरम्भ होने से पहले आयोजक या तकनिकी समिति से सभी प्रकार के आवश्यक सामान जैसे स्कोर शीट, पेन, बोर्ड इत्यादि |

ख. स्कोरर निर्धारित तरीके स्कोर शीट को भरता है |

ग. वह मैच में बन रहे रनों, विकटो, ओवेरो इत्यादि को विधिवत तरीके से लिखता है |

### १३.३ रिकॉर्ड कीपर के कर्तव्य

क. रिकॉर्ड कीपर स्कोरर द्वारा भरी गई स्कोर शीट को संभल कर रखते है और खिलाडी का व्यक्तिगत लेखा तैयार करते है | मतलब एक खिलाडी ने कितने रन बनाये, कितनी विकेट ली, कितनी केच ली |

ख. साथ ही रिकॉर्ड कीपर यह भी लेखा रखता है की किस खिलाडी ने कितने चोके और छक्के लगे है और कितने बॉल का सामना कर कितने रन बनाये है . इसी जानकारी के आधार पर सर्वश्रेष्ठ लेग्स्मन और गेंदबाज का निर्धारण होता है |

## १४. नो बॉल और वाइड बॉल:

**१४.१ नो बॉल होने पर: नो बॉल फेंके जाने पर विरोधी टीम को एक अतिरिक्त रन और एक अतिरिक्त बॉल खेलने का मोका दिया जायेगा | साथ ही नो बॉल पर लिए गए रन विरोधी टीम और लेग्स्मन के व्यक्तिगत स्कोर में शामिल होगे. नो बॉल पर कोई भी खिलाडी केवल रन आउट हो सकता है | अगर कोई खिलाडी किस अन्य तरीके जैसे हित विकेट या केच आउट होता है तो उसे आउट नहीं मन जायेंगा**

**१४.२ वाइड बॉल होने पर: वाइड बॉल होने पर अगर लेग्स्में उस बॉल को नहीं छूता तो विरोधी टीम के खाते में एक अतिरिक्त रन जोड़ा जायेगा परन्तु अगर लेग्स्मन वाइड बॉल को छु लेता है तो वाइड बॉल को सामान्य बॉल मन जायेंगा |**

## १५. टाई या एकसमान स्कोर

टाई या समान स्कोर होने पर दोनों टीमो को खेलने के लिए एक अतिरिक्त ओवर खेलने को दिया जाता है | इस अतिरिक्त ओवर में जो भी टीम बिना विकेट गवाए अधिक रन बनती है वो विजयी होती है लेकिन अगर किसी टीम का कोई खिलाडी इस ओवर में आउट हो जाता है तो वह टीम हार जाएँगी भले ही उसने ज्यादा रन बनाये हो . अर्ताथ जीत का फेसला रन पर नहीं बल्कि विकेट के आधार पर दिया जाता है | लेकिन अगर इस एक ओवर के बाद भी स्कोर समान रहता है तो फिर से एक अतिरिक्त ओवर खेला जायेंगा और फेसला विकेट के आधार पर ही होगा | अगर तीसरी बार भी स्कोर समान रहता है तो टॉस के द्वारा जीत का फेसला होगा. वैसे आज तक लेग क्रिकेट में टाई नहीं हुई है |